Chapter 7

bihar board 9th class hindi notes पूरा हिंदुस्तान मिलेगा

पूरा हिंदुस्तान मिलेगा

केदारनाथ अग्रवाल

कवि – परिचय

केदारनाथ अग्रवाल का जन्म उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के कमासिन गाँव में 1911 ई . में हुआ । उनको शिक्षा इलाहाबाद और आगरा विश्वविद्यालय से हुई । वे पेशे से वकील थे और जीवनभर अपने शहर बाँदा से वकालत करते रहे । हिंदी के प्रगतिवादी आंदोलन से उनका गहरा जुड़ाव रहा । सन् 2000 ई . में उनका निधन हो गया । युग की गंगा , नींद के बादल , लोक और आलोक , फूल नहीं रंग बोलते हैं , आग का आईना , पंख और पतवार , है मेरी तुम , मार प्यार की थापे , कहे केदार खरी – खरी आदि उनकी प्रमुख काव्य कृतियाँ हैं । कविता के अलावा उन्होंने गद्य भी लिखे । उन्हें सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

प्रस्तुत कविता में कवि का जनवादी स्वप्न अभिव्यक्त है । कवि के मानस में आजाद हिन्दुस्तान का ऐसा चित्र है , जिसकी उर्वरभूमि में मान – सम्मान , स्वतंत्रता , ज्ञान और खुशियों के फूल खिलेंगे । यह कविता सम्बोधन शैली में लिखी गई है । इस कविता के माध्यम से कवि जनता में आशा की स्फूर्ति जगाना चाहता है । ”

कविता का भावार्थ

केदारनाथ अग्रवाल प्रगतिवादी कवि हैं । इनकी कविताएँ देश , काल , वातावरण समाज को गहरे रूप से प्रभावित करती है । इनका समय देश की गुलामी का समय था । इसीलिए देश की जनता को उबुध करने के लिए , उनमें राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए उन्होंने कई कविताएँ लिखीं । ‘ पूरा हिंदुस्तान मिलेगा ‘ इसी तरह की कविता है । कवि की आँखों में आजादी के बाद के भारत का स्वप्न है । वह कहता है कि भारत के आजाद होने पर इस ऊर्वर भूमि में सभी को मान – सम्मान मिलेगा । विचार – अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होगी , पूरा हिन्दुस्तान अपना होगा । जहाँ दुख है वहाँ सुख का फूल खिलेगा , सभी को शांति मिलेगी । नई इच्छाओं , आकांक्षाओं के लिए पूरा हिंदुस्तान हमारा होगा । जहाँ शिक्षा नहीं है वहाँ शिक्षा के दीप जलेंगे । स्कूल – कॉलेज खोलकर शिक्षा की खेती करने के लिए पूरा हिंदुस्तान खाली पड़ा होगा । मैं बार – बार कहता हूँ , हम सभी को नया जीवन मिलेगा । कहीं भी स्वच्छता के साथ जीवनयापन करने की खुली छूट होगी ।

https://www.evidyarthi.in/